

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	फाल्गुन 11, गुरुवार, शाके 1944-मार्च 02, 2023 <i>Phalguna 11, Thursday, Saka 1944- March 02, 2023</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, फरवरी 22, 2023

संख्या प. 2(17) वन/2022 :-संख्या चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन भूमि तथा बंजर-भूमि को राजस्थान फॉरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29, उप-धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा धैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं,

और चूंकि सरकार यह विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उन पर सरकार या इन कार्यों के संपादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचाने की आशंका है।

इसलिये अब राजस्थान फॉरेस्ट, 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप-धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, सरकार इसके द्वारा फॉरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर/असिस्टेन्ट फॉरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जाँच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती इसलिये अब राजस्थान फॉरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप-धारा (3) के तथा ऐसी जाँच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा-6.7.8,10,11 (1) 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रावहित है

और उक्त एक्ट की धारा अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जाँच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति 29 की उप-धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेसर द्वारा रक्षित (Protected Forest) घोषित करती है परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा:

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रतर अनुसरण, उक्त रक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की यह भी घोषणा करती है कि. तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की

वन उपज का संग्रहीत किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त यन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर भूमि) द्वितीय अनुसूची
(संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से.

(शिखर अग्रवाल),

अति. मुख्य सचिव।

प्रथम अनुसूची

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	वन खण्ड में शामिल भूमि का विवरण
1	झिराणा	नीमकाथाना	सीकर	पूर्व - ग्राम झिराणा की खसरा नंबर 611 की अधिसूचित वन भूमि पश्चिम-ग्राम झिराणा की खसरा नंबर 720 /621 की राजकीय भूमि उत्तर- ग्राम झिराणा की खसरा नंबर 620 की कृषि भूमि दक्षिण- ग्राम जोडली, मंगलपुरा की अधिसूचित वन भूमि	ग्राम झिराणा खसरा नं. 721/621 रकबा 1.00 है० एवं 722/621 रकबा 1.35 है० कुल 2.35 है०

क्षेत्रीय वन अधिकारी
नीमकाथाना

(सीकर)

उप वन संरक्षक,
सीकर

द्वितीय अनुसूची
पेड़ों की सूची

क्र. सं.	बोटनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	<i>Azadirachta indica</i> , A Juss	नीम
2	<i>Acacia Tortilis</i>	विलायती बबूल
3	<i>Acacia arabica</i> , wild.	बबूल
4	<i>Acacia senegal</i>	कुमठा

क्षेत्रीय वन अधिकारी
नीमकाथाना (सीकर)

उप वन संरक्षक,
सीकर

**प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक, द्वारा प्रमाण पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दें)**

वन खण्ड - झिराणा

रेन्ज - नीमकाथाना

वन मण्डल - सीकर

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण क्रमशः गैर मुमकिन पहाड़/गैर मुमकिन भाखर/मगरा/गैर कृषि पायती है गैर मुमकिन बेहड़ है। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है। जमाबन्दी की प्रति संलग्न है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में बिना नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराया गया है / कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिए जिला कलक्टर, से सहमति प्राप्त कर ली गई है, तथा प्रस्ताव के साथ संलग्न है। वन भूमि खसरा नंबर 721/621 रकबा 1.00 हैक्टर एवं 722/621 रकबा 1.35 हैक्टर कुल 2.35 हैक्टर किस्म गैर मुमकिन बेहड़ का अमलदरामद वन विभाग के नाम किया जाकर खातेदारी वन विभाग के नाम दर्ज है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः Nil प्लांटेशन एवं अन्य विकास कार्य वर्ष छपस से छपस में कराये गये हैं। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्र में 0.01 है तथा कुछ क्षेत्र में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों नीम, विलायती बबूल, कूमठा और बबूल का लगभग 10 प्रतिशत क्रमशः है तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र खातेदारी भूमि (राजस्व बंजर/चरागाह/खातेदारी/वन) है, तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम सं. 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शों) संलग्न हैं, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वनक्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिसमें कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

श्रवण लाल जाट,
क्षेत्रीय वन अधिकारी,
नीमकाथाना।

वीरेन्द्र सिंह कृष्णियां,
उप वन संरक्षक,
सीकर।